सम्पादकीय

सम्मानीय विद्वतसाथियों! सादर नमस्कार॥

गत् दो वर्षों से आपने जो प्यार, स्नेह एवं आशिर्वाद दिया है उसी का प्रतिफल है कि मैं आपके समक्ष ***"Shodh, Samiksha Aur Mulyankan"*** के आठवें अन्तरराष्ट्रीय अंक के साथ उपस्थित हूँ।

'शोध, समीक्षा और मूल्यांकन' की अपार सफलता का समस्त श्रेय आप समस्त साथियों का है। मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझ में विश्वास व्यक्त किया है।

'शोध, समीक्षा और मूल्यांकन' पत्रिका का प्रकाशन मासिक होगा। हिन्दी, मराठी, गुजराती एवं अंग्रेजी भाषा में लिखित समस्त विषयों के शोध पत्रों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा अत: समस्त शोध पत्र लेखकों से करबद्ध निवेदन है कि कृपया शोध प्रविधि (Research Methodology) के निम्न नियमों की अनुपालना आवश्यक रूप से करें।

आपका शोध पत्र इन बिन्दुओं के अनुरूप लिखा हो-

1. शोध पत्र पूर्णत: वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित हो। 2. शोध विषय का चयन एवं समस्या की पहचान हो। 3. शोध विषय में निहित सिद्धान्तों की पहचान व निर्माण प्रक्रिया का पालन हो। 4. अनुसंधान की प्ररचना की अनुपालना होनी चाहिए। 5. शोध अवधारणाओं के निर्माण का उल्लेख हो। 6. शोध पत्र में उपकल्पना (Hypothesis) होनी चाहिए। 7. शोध के लिए यदि आँकड़ों की आवश्यकता है तो संकलन करके उनका तात्विक विश्लेषण, सांख्यिकीय प्रयोग करना चाहिए आँकड़े मौलिक होने चाहिए। 8. महत्त्वपूर्ण तथ्यों एवं सिद्धान्तों की परिभाषा एवं अन्त: सम्बन्धों का उल्लेख किया जाना चाहिए। 9. अन्तर्वस्तु का तात्विक विश्लेषण किया जाना अनिवार्य है। 10. यदि कहीं तुलनात्मक विश्लेषण की आवश्यकता हो तो अवश्य की जानी चाहिए इससे शोध पत्र में गूढ़ता व गुणवत्ता समाहित होगी। 11.सन्दर्भ ग्रन्थों का विवरण इस प्रकार उल्लेखित किया जाना चाहिए-

सरनेम पहले लिखें, नाम बाद में। जैसे किसी लेखक का नाम 'कृष्ण बीर सिंह' है तो इस प्रकार लिखा जाना चाहिए-

सिंह, कृष्ण बीर-(i) पुस्तक का पूरा नाम, (ii) प्रकाशक का नाम, (iii) प्रकाशन स्थल, (iv) प्रकाशन वर्ष, (v) पृष्ठ संख्या। शोध पत्र में फुटनोट का क्रमानुसार होना अनिवार्य है।

मित्रों! यद्यपि इस विधि को आप सभी जानते हैं किन्तु क्षमा चाहते हुए यह अवश्य कहूँगा कि हमारे बहुत से वरिष्ठ साथी इस प्रक्रिया की पालना नहीं कर रहे हैं, और वे सामान्य निबन्ध को 'शोध पत्र' घोषित कर प्रकाशन हेतु भेज देते हैं। कृपया भविष्य में शोध प्रविधि के अनुरूप रचित शोध पत्र ही भेजेंगे तो आपका एहसान होगा। मित्रो! दो शोध पत्रिका ***(शोध समीक्षा और मूल्यांकन एवं रिसर्च, एनालिसिस एण्ड इवैल्युएसन)*** आपके पास हैं, इनकी गुणवत्ता का समस्त दायित्व आप पर ही है। शोध पत्र में निष्कर्ष एवं सुझाव होंगे तो उचित रहेगा।

दोनों शोध पत्रिकाएँ शिक्षकों के द्वारा, शिक्षकों के लिए सेवारत हैं। शोध पत्रिका का आठवां अंक कैसा लगा अपनी बेबाक टिप्पणियों से अवगत करवायेंगे तो हम अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। शोधपत्रिका की वेबसाइट को देखते रहिये वेबसाइट के द्वारा समय-समय पर हम महत्त्वपूर्ण सूचनाओं को आप तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। यदि किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में किसी भी विषय के सेमीनार, संगोष्ठी होती है तो इसकी सूचना आप सम्पादक तक पहुँचाने की कृपा करें। ताकि इस सूचना को वेबसाइट एवं जर्नल के माध्यम से सभी साथियों तक नि:शुल्क पहुँचाई जा सके।

सादर नमस्कार सहित

आपका अपना

डॉ. कृष्णबीर सिंह

सम्पादक